Happitude Laboratory Inaugurated January 7, 2023

Chief Guest: Justice SuryaKant, Judge, Supreme Court of India.

August presence: Professor Rajbir Singh, Vice Chancellor, Maharshi, Dayanand University. Rohtak.

Distinguished Guests:

Justice Sanjay Vashisht, Esteemed judge of Punjab and Haryana High Court

Justice Harkesh Manjua, Esteemed judge of Punjab and Haryana High Court

Justice Rajesh Bhardwaj, Esteemed judge of Punjab and Haryana High Court

Event Coordinators:

Professor Anjali Malik, Professor-in-charge, Happitude Laboratory.

Professor Deepti Hooda, Professor-in-charge, Happitude Laboratory

"Happitude Laboratory, a great initiative by the university", says Justice SuryaKant.

“Happitude laboratory would help in creating a unique ecosystem of happiness and well-being in the university” - Professor Rajbir Singh, Vice Chancellor, MDU.

When guests also became childlike!!!

The Smiling Foundation Stone, Happitude Laboratory!!!

Public Relations Office

Name of the Publication: जगत क्रान्ति

Date: 8.1.2023 Page: 3 Column: 1-4

Subject: विद्यार्थी न्याय के लिए अपनी प्रतिबद्धता रखें : न्यायमूर्ति सूर्यकांत

विद्यार्थी न्याय के लिए अपनी प्रतिबद्धता रखें : न्यायमूर्ति सूर्यकांत

जगत क्रान्ति ▶▶ हरिओम/देवेंद्र

रोहतक : समाज में प्रत्येक व्यक्ति अपनी कारगर भूमिका निभा सकता है। केवल भौतिक सफलता ही सफलता नहीं, बल्कि अपने-अपने तरह से प्रत्येक व्यक्ति सकारात्मक, सृजनात्मक, प्रेरणादायी योगदान दे सकता है। ये उद्गार भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्य कांत ने आज महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में आयोजित-ऐमीनेंट एलुमनाई स्पीक्स कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए। एमडीयू के विधि विभाग के पूर्व छात्र न्यायमूर्ति सूर्य कांत ने कहा कि विद्यार्थियों में समर्पण भाव होना चाहिए तथा लक्ष्य को हासिल करने का दृढ़ संकल्प होना चाहिए। न्यायमूर्ति सूर्य कांत ने हिसार जिला के अपने पैतृक गांव से शुरू हुए शैक्षणिक सफर को सांझा करते हुए बताया कि यदि मंजिल हासिल करने का जुनून हो तो कामयाबी अवश्य मिलती है।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत ने विधि विभाग के विद्यार्थियों से आर्ट ऑफ ड्राफ्टिंग को निखारने तथा संचार कौशल (क्लैरिटी ऑफ ओरेट्री) पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि विधि के विद्यार्थियों का कर्तव्य होना चाहिए कि वे न्याय के लिए अपनी प्रतिबद्धता अवश्य रखें। न्यायमूर्ति सूर्य कांत ने अपने विधि विभाग के शिक्षकों का विशेष उल्लेख करते हुए उनके योगदान को रेखांकित किया। इससे पूर्व, एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने मुख्य अतिथि तथा अन्य गणमान्य अतिथियों का अभिनंदन किया। कुलपति ने अपने भाषण में एमडीयू की विकास यात्रा तथा उपलब्धियों का विस्तृत ब्यौरा दिया। कुलपति ने कहा कि विधि विभाग के प्रतिष्ठित एलुमनाई के सहयोग से एमडीयू विधि विभाग को शैक्षणिक उत्कृष्टता का केन्द्र बनाएगा। उन्होंने कहा कि एमडीयू एलुमनाई विवि के ब्रांड एंबेसडर हैं जो कि विश्वविद्यालय की गौरव पताका फहराते हैं। उन्होंने कहा कि पूरे एमडीयू समुदाय को न्यायमूर्ति सूर्यकांत की उपलब्धियों पर नाज है। प्रतिष्ठित शिक्षाविद् एवं राष्ट्रीय विधि विवि के पूर्व कुलपति प्रो. रणबीर सिंह ने भी इस अवसर पर अपने विचार रखते हुए कहा कि विद्यार्थी की सफलता से सबसे ज्यादा गौरवान्वित उसके गुरू होते हैं। कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने स्वागत भाषण दिया।

J-148-10,000

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK

Public Relations Office

Name of the Publication: पंजाब केसरी (रोहतक)

Date: 8.1.2023 Page: II Column: 6-8

Subject: जन-जन में खुशियों का संचार होना बेहद जरूरी : न्यायाधीश सूर्यकांत

जन-जन में खुशियों का संचार होना बेहद जरूरी: न्यायाधीश सूर्यकांत

रोहतक, 7 जनवरी (पंकेस) : भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्य कांत ने शनिवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में हैप्पीट्यूड लैबोट्री (मनोल्लास प्रयोगशाला) का उद्घाटन किया। विश्वविद्यालय के फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर भवन में इस अनूठी प्रयोगशाला का उद्घाटन एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश संजय वशिष्ठ, हरकेश मनूजा, राजेश भारद्वाज, डीन एकेडमिक एफेयर्स प्रो. नवरतन शर्मा, कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा समेत अन्य गणमान्यजन की उपस्थिति में किया गया।

कार्यक्रम में दौरान हैप्पीट्यूड लैबोट्री का उद्घाटन करते मुख्यातिथि न्यायाधीश सूर्यकांत।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत ने इस हैप्पीट्यूड लैबोट्री को एक बेहतरीन पहल करार दिया। उन्होंने कहा कि समाज-राष्ट्र में जन-जन में खुशियों का संचार जरूरी है। एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय पूरे विवि समुदाय के मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए इस हैप्पीट्यूड लैबोट्री की स्थापना का निर्णय लिया गया।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में खुशनुमा माहौल का सृजन करने का समग्र प्रयास किया जा रहा है। डीन, एकेडमिक एफेयर्स प्रो. नवरतन शर्मा ने इस हैप्पीट्यूड लैबोट्री की अवधारणा तथा इसके विशिष्ट पहलुओं की जानकारी दी। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सूर्य कांत ने इससे पूर्व गत दिवस आयोजित ड्रा ए हैप्पी पर्सन कंटेस्ट के नौ प्रतिभागियों को खुशियों के नवरत्न पुरस्कार से सम्मानित किया। मुख्यातिथि, कुलपति व अन्य गणमान्य विभूतियों ने इस अवसर पर खुशियों के गुब्बारे हवा में छोड़े।

स्माइली वाले गुब्बारों से खुशियों का संदेश संचारित किया गया। इस अवसर पर न्यायूर्ति सूर्यकांत की पत्नी सविता, एमडीयू की प्रथम महिला डा. शरणजीत कौर, विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा, डीन सी.डी.सी. प्रो. ए.एस. मा समेत अन्य अधिकारीगण, विवि प्राध्यापकगण, शोधार्थी, विद्यार्थी उपस्थित रहे। मनोविज्ञान विभाग की प्राध्यापिका प्रो. अंजलि मलिक तथा प्रो. दीप्ति हुड्डा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

विवेकानंद पुस्तकालय का किया अवलोकन

न्यायमूर्ति सूर्य कांत ने विजिट के दौरान हवन कार्यक्रम में शिरकत की तथा विश्वविद्यालय के विवेकानंद पुस्तकालय का अवलोकन किया। एमडीयू के विधि विभाग के पूर्व विद्यार्थी न्यायमूर्ति सूर्य कांत ने विश्वविद्यालय यज्ञशाला में यज्ञ में आहुति दी। तदुपरांत, उन्होंने विवेकानंद पुस्तकालय की विजिट की तथा उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। लाइब्रेरियन डा. सतीश मलिक ने पुस्तकालय बारे जानकारी दी।